INTERMEDIATE EXAMINATION – 2024 (ANNUAL)

इंटरमीडियट परीक्षा – 2024 (वार्षिक)

Sub. Code – 108/208/308/504

Model Set

MAITHILI (Compulsory)

मैथिली (अनिवार्य)

I.A., I.Sc., I.Com & Voc.

समयः 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक–100**

Time : 3 Hrs. 15 Minutes **Full Marks : 100**

कुल प्रश्नों की संख्या – 100 + 20 = 120

Total No. of Questions : 100 + 20 = 120

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
6. खण्ड–अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 50 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 50 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गये OMR उत्तर–पत्रक में दिये गये सही विकल्प को काले/नीले

बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर / तरल पदार्थ / ब्लेड / नाखून आदि का OMR उत्तर–पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।

7. खण्ड–ब में 20 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं।

8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

खण्ड–अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR उत्तर–पत्रक पर चिह्नित करें। ***50x1=50***

नीचाँ लिखल वस्तुनिष्ठ प्रश्नमे सही उत्तर चुनू :–

1. 1908 ई0 मे 'वैयाकरण केशरी' क उपाधि भेटलनि

   (A) उमेश मिश्रकेँ (B) परमेश्वर झाकेँ

   (C) सुभद्र झाकेँ (D) गंगानाथ झाकेँ

2. 'बाबी' कथाक कथाकार छथि

   (A) कुमार गंगानन्द सिंह (B) प्रभास कुमार चौधरी

   (C) ललित (D) मनमोहन झा

3. धवलगिरी श्रृङ्ग सँ उच्च अछि

   (A) गौरी शंकर श्रृङ्ग (B) काऽचनजङ्ग श्रृङ्ग

   (C) माउण्ट आबू (D) एहिमेसँ कोनो नहि

4. विन्ध्यनाथ झा बी0 ए0 पास कयलनि

(A) 1882 ई0 मे (B) 1884 ई0 मे

(C) 1886 ई0 मे (D) 1888 ई0 मे

5. पूर्वमे लालटेन संग लऽ कऽ चलैत छलाह

(A) बबुआन (B) मुंशी

(C) राजा (D) गरीब

6. कुमार गंगानन्द सिंहक जन्म भेलनि

(A) 1895 ई0 मे (B) 1896 ई0 मे

(C) 1897 ई0 मे (D) 1898 ई0 मे

7. तत्कालीन प्रयाग विश्वविद्यालयक कुलपति भेलाह

(A) गंगानाथ झा (B) कुमार गंगानन्द सिंह

(C) अमरनाथ झा (D) चेतकर झा

8. 'आहत आत्मा' कथा लिखलनि

(A) परमेश्वर झा (B) हरिमोहन झा

(C) राजकमल चौधरी (D) मनमोहन झा

9. पाठ्यांशक अनुसार हविलदारक दरमाहा छल

(A) डेढ़ सय (B) तीन सय

(C) चारि सय (D) पाँच सय

10. रूना सासुरसँ बिदा भए कए आयलि छल

(A) एक वर्ष पर (B) दू वर्ष पर

(C) तीन वर्ष पर (D) चारि वर्ष पर

11. चन्द्रशेखर झाक पोस्टिंग छलन्हि

(A) पाकिस्तान बार्डर पर (B) असम बार्डर पर

(C) मनीपुर फ्रन्ट पर (D) नेपाल बार्डर पर

12. सोलजर नं0 188 चन्द्रशेखर झाक मृत्यु भेलनि

(A) 1:30 मिनट राति कँ (B) 1:30 बजे दिन कँ

(C) 12:30 मिनट दिन कँ (D) 12:30 मिनट राति कँ

13. रोगी लेल लाभदायक भोज्य पदार्थ कहल जाइत अछि

(A) सुस्वाद (B) पथ्य

(C) स्वादिष्ट (D) अर्क

14. 'वैजयन्ती' कविता–संग्रहक रचनाकार छथि

(A) आरसी प्रसाद सिंह (B) मंत्रेश्वर झा

(C) प्रबोध नारायण सिंह (D) सोमदेव

15. बदरीनाथ झा अभिनंदन ग्रंथक संपादक छथि

(A) दुर्गानाथ झा 'श्रीश' (B) भाग्यनारायण झा

(B) प्रभास कुमार चौधरी (D) मायानन्द मिश्र

16. महाराजाधिराज जगज्ज्योतिर्मल्लक शासनकाल छलनि

(A) 1611–22 ई0 (B) 1618–33 ई0

(C) 1608–12 ई0 (D) 1620–35 ई0

17. गान, वाद्य ओ नृत्यसँ युक्त लोक–मनोरंजन के कहल गेल अछि

(A) तौर्य त्रिकार्था (B) गीतपंचाशिका

(C) नचारी (D) सूर्यस्तुतिनचारी

18. विद्यापतिक श्रृंगारिक पदकेँ 'नचारी' कहलनि

(A) अकबर (B) अबुल फजल

(C) कबीरदास (D) गोनू झा

19. 'नचारी' गीत होइछ

(A) भगवती सँ सम्बद्ध (B) गंगासँ सम्बद्ध

(C) शिवसँ सम्बद्ध (D) विष्णुसँ सम्बद्ध

20. 'स्वरगंधा' कविता संग्रह छनि

(A) प्रभास कुमार चौधरीक (B) मायानन्द मिश्रक

(C) उषाकिरण खानक (D) राजकमल चौधरीक

21. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क 'मैथिली साहित्यक इतिहास' सर्वप्रथम प्रकाशित भेल

(A) 1965 ई0 मे (B) 1966 ई0 मे

(C) 1967 ई0 मे (D) 1968 ई0 मे

22. तिरूक नैहर छलनि

(A) सागरपुर (B) बड़गाम

(C) कमलपुर (D) राघोपुर

23. 'उनटन'क अर्थ होइछ

(A) उनटब (B) उबटन

(C) भूकम्प (D) एहिमे किछु नहि

24. लंदनमे 'ग्रीटिंग कार्ड'' पठाओल जाइत अछि

(A) क्रिसमसमे (B) ईदमे

(C) दुर्गापूजामे　　(D) फगुआमे

25. पाठ्यांशमे दीनानाथ दरोगाक बेटीक नाम छनि

(A) कविता　　(B) कान्ता

(C) शीला　　(D) मोहिनी

26. 'आगि, मोम आ पाथर' कथा–संग्रह छनि

(A) आरसी प्रसाद सिंहक　　(B) मायानन्द मिश्रक

(C) भाग्यनारायण झाक　　(D) उमानाथ झाक

27. मायानन्द मिश्रकेँ 'साहित्य अकादेमी' पुरस्कार भेटलनि

(A) 'सूर्यास्त' पर　　(B) 'बिहाड़ि पात पाथर' पर

(C) 'खौँता आ चिड़ै' पर　　(D) 'मंत्रपुत्र' पर

28. 'अकथ कथा' कोन विधाक पोथी अछि

(A) निबंध　　(B) उपन्यास

(C) काव्य　　(D) कथा

29. मायानन्द मिश्रक जन्म–स्थान अछि

(A) बनैनियाँ　　(B) पुरूषोत्तमपुर

(C) लहेरियासराय　　(D) बेनीपुर

30. रागिनीकेँ नहि सोहयलैक

(A) मिसेज मलिक　　(B) मिसेज खन्ना

(C) सुरेखा　　(D) मिसेज करुणा

31. रागिनी शिक्षिका छलीह

(A) हिन्दीक　　(B) अंगरेजीक

(C) गणितक (D) इतिहासक

32. 'प्रभासक कथा' पोथी पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार भेटल

(A) 1989 ई0 मे (B) 1990 ई0 मे

(C) 1991 ई0 मे (D) 1992 ई0 मे

33. 'नव घर उठयः पुरान घर खसय' कृति अछि

(A) राजकमल चौधरीक (B) मायानन्द मिश्रक

(C) प्रभास कुमार चौधरीक (D) मंत्रेश्वर झाक

34. 'बाबी' कथा मे उल्लेख कयल गेल अछि

(A) चारि पीढ़ीक (B) तीन पीढ़ीक

(C) दू पीढ़ीक (D) एक पीढ़ीक

35. प्रभास कुमार चौधरीक जन्म–स्थान अछि

(A) पिण्डारूछ (B) तरौनी

(C) सरिसवपाही (D) टेकटारि

36. 'गोठुल्ला' शब्दक अर्थ अछि

(A) गोबर (B) गोधूलि

(C) गोइठा रखबाक घर (D) छोट घर

37. डॉ0 सी0 वी0 रमण कैँ नोबेल पुरस्कार भेटलनि

(A) 1928 ई0 मे (B) 1929 ई0 मे

(C) 1930 ई0 मे (D) 1932 ई0 मे

38. 'सोनक ममता' पोथीक विधा अछि

(A) यात्रा–वृत्तांत (B) नाटक

(C) एकांकी (D) कथा

39. डॉ0 सी0 बी0 रमणक जन्म स्थान छलनि

(A) विशाखापत्तनम (B) कोलकाता

(C) त्रिचनापल्ली (D) चेनैई

40. डॉ0 सी0 वी0 रमण 1904 ई0 मे ग्रेजुएट भेलाह

(A) मद्रास विश्वविद्यालय सँ (B) प्रयाग विश्वविद्यालय सँ

(C) कलकत्ता विश्वविद्यालय सँ (D) ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय सँ

41. बंगलूरूमे रमण अनुसंधान संस्थानक स्थापना भेल

(A) 1946 ई0 मे (B) 1947 ई0 मे

(C) 1948 ई0 मे (D) 1949 ई0 मे

42. भारतमें सर्वप्रथम नोबेल पुरस्कार भेटलनि

(A) अमर्त्यसेन कँ (B) रवीन्द्रनाथ टैगोर कँ

(C) सी0 वी0 रमण कँ (D) हरगोविन्द खुराना कँ

43. कर्ममार्गक साधना कयनिहार कहबैछ

(A) निष्काम (B) कार्मिक

(C) विद्वान (D) कर्मयोगी

44. 'कवि चूड़ामणिक काव्य साधना' कृति अछि

(A) भीमनाथ झाक (B) भाग्यनारायण झाक

(C) मायानन्द मिश्रक (D) प्रभास कुमार चौधरीक

45. भीमनाथ झा कँ 'साहित्य अकादेमी' पुरस्कार भेटलनि

(A) 'विमर्श' पर (B) 'विविधा' पर

(C) 'परिचायिका' पर (D) 'मन–आङनमे ठाढ़' पर

46. 'मिथिला ओ स्वास्थ्यरक्षा' निबंध लिखल छनि

(A) अमरनाथ झाक (B) उमेश मिश्रक

(C) भवनाथ झाक (D) बालकृष्ण मिश्रक

47. पानिमे डूबैत स्थितिमे क्षणमे उगब ओ क्षणमे डूबब के लेल एक शब्द अछि

(A) अपस्याँत (B) उबडुब

(C) अवदान (D) माँझ

48. 'हसीना मंजिल' उपन्यास लिखल छनि

(A) उषाकिरण खानक (B) शेफालिका वर्माक

(C) विभारानीक (D) वीणा कर्णक

49. 'पराशर' महाकाव्यक रचयिता छथि

(A) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' (B) मनबोध

(C) काञ्चीनाथ झा 'किरण' (D) मार्कण्डेय प्रवासी

50. 'कुँवर सिंह' महाकाव्यक रचनाकार छथि

(A) आरसी प्रसाद सिंह (B) सोमदेव

(C) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' (D) बैधनाथ मल्लिक 'विधु'

51. हरगोविन्द खुरानाकेँ नोबेल पुरस्कार भेटलनि

(A) 1966 ई0 मे (B) 1967 ई0 मे

(C) 1968 ई0 मे (D) 1969 ई0 मे

52. सोमदेवकेँ 'साहित्य अकादेमी' पुरस्कार भेटलनि

(A) 'कालध्वनि' पर (B) 'सहस्रमुखी चौक पर'

(C) 'चरैवति' पर (D) 'चानोदाइ' पर

53. 'पानक पात' कथा–संग्रहक रचयित छथि

(A) गौरीकान्त चौधरी 'कान्त' (B) गोविन्द झा

(C) मार्कण्डेय प्रवासी (D) आरसी प्रसाद सिंह

54. गोविन्द झाकेँ 'कामिल बुल्के पुरस्कार' भेटलनि

(A) 1985 ई0 मे (B) 1986 ई0 मे

(C) 1987 ई0 मे (D) 1988 ई0 मे

55. 'एक बटे दू' कथा–संग्रह छनि

(A) प्रभास कुमार चौधरीक (B) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क

(C) मार्कण्डेय प्रवासीक (D) मन्त्रेश्वर झाक

56. पैघ बनबाक आकांक्षा लेल एक शब्द अछि

(A) भभटपन (B) महत्त्वाकांक्षा

(C) जघन्य (D) हिंसक

57. एक + एक = एकैक, भेद अछि

(A) गुण संधिक (B) वृद्धि संधिक

(C) यण् संधिक (D) दीर्घ संधिक

58. अति + उत्तम = अत्युत्तममे संधि अछि

(A) स्वर (B) व्यंजन

(C) यण् (D) अयादि

59. 'तमः + गुण' के सन्धि होइछ

(A) तमोगुण (B) तमगुण

(C) तपगुण (D) तमोगुणः

60. 'अति + आचार'क संधि भेल

(A) अत्यधिक (B) अतिचार

(C) अत्याचार (D) अतिआचार

61. व्यक्तिवाचक संज्ञाक उदाहरण अछि

(A) पर्वत (B) उदार

(C) गंगा (D) गहूम

62. घौरछा संज्ञाक उदाहरण अछि

(A) व्यक्तिवाचक (B) जातिवाचक

(C) भाववाचक (D) समूहवाचक

63. 'दुष्कर' शब्दमे उपसर्ग अछि

(A) दुस् (B) कर

(C) दुष (D) दुःकर

64. 'अवधारणा' शब्दमे उपसर्ग अछि

(A) धारणा (B) अव

(C) धारण (D) अध

65. 'प्रतिभाशाली' शब्दमे प्रत्यय अछि

(A) प्रतिभा (B) शाली

(C) प्रति (D) भाशा

66. 'नचाएब' शब्दमे प्रत्यय अछि

(A) नाच (B) नाचब

(C) आएब (D) नाचाब

67. धनाधिप शब्दक पर्यायवाची अछि

(A) कुबेर (B) कामदेव

(C) गणेश (D) गंगा

68. 'तड़ित'क पर्यायवाची अछि

(A) भौंरा (B) बिजुली

(C) माँछ (D) मोती

69. 'जे देखल नहि गेल हो' वाक्य लेल एक शब्द अछि

(A) अतिथेय (B) अराध्य

(C) अदृष्ट (D) आदर

70. 'कण्टिरबा' शब्दक स्त्रीलिंग अछि

(A) कटाह (B) कण्टिरबी

(C) कराह (D) एहिमे सँ कोनो नहि

71. 'तबधल' शब्दक स्त्रीलिंग अछि

(A) तारणी (B) तबधलि

(C) तप्त (D) तरुणी

72. 'शरद' शब्दक विशेषण अछि

(A) शाक्त (B) शारदीय

(C) शारीरिक (D) शैव

73. 'चमत्कृत' शब्दक विशेषण अछि

(A) चमत्कार (B) चमक–दमक

(C) चमक (D) चकोर

74. पीसीक बेटा के कहल जाइत अछि

(A) ममिऔत भाए (B) पिसिऔत भाए

(C) पितिऔत भाए (D) मसिऔत भाए

75. पतिक जेठ भाए कहबैछ

(A) भैंसुर (B) देओर

(C) ननदोसि (D) बहिनपूत

76. 'अग्रहायण' शब्द अछि

(A) तत्सम (B) तद्भव

(C) विदेशज (D) देशज

77. 'दही' शब्द अछि

(A) देशज (B) विदेशज

(C) तत्सम (D) तद्भव

78. 'बलिगोबना' शब्द अछि

(A) विदेशज (B) देशज

(C) तत्सम (D) तद्भव

79. 'आमदनी' शब्द अछि

(A) संस्कृत तत्सम (B) तद्भव

(C) देशज (D) विदेशज

80. 'चिट्ठी–पत्री आदिकेँ दूरस्थ पर पहुँचाबय वाला सेवा कहबैछ

(A) डाकसेवा (B) स्वास्थ्यसेवा

(C) पार्सल (D) एटीएम

81. बाल्यावस्था आ युवावस्थाक बीचक समय कहबैछ

(A) बाल्यकाल (B) वयः सन्धि

(C) यौवन (D) वएस

82. शीतल, मन्द तथा सुगंधित वायु कँ कहल जाइत अछि

(A) शीतोष्ण (B) सलील

(C) त्रिविधवायु (D) सुगंध

83. 'गूलरिक फूल हएब' मोहावराक तात्पर्य अछि

(A) विश्वास राखब (B) अलभ्य वस्तु हएब

(C) डींग हाँकब (D) काज सुतारब

84. 'दिन घूरब' मोहावराक तात्पर्य होइछ

(A) भोर (B) संध्याकाल

(C) दूपहर (D) नीक समय पलटब

85. मुह धेने रहब मोहावराक तात्पर्य अछि

(A) उदण्ड बनायब (B) कलंक लगाएब

(C) खुशामदमे रहब (D) रूष्ट होएब

86. 'पहाड़' शब्दक पर्यायवाची अछि

(A) पाषाण (B) उपल

(C) मेरू (D) पाहन

87. 'बाँहि रोपब' मोहाबराक तात्पर्य होइछ

(A) बाँहि पकड़ब (B) बलधिंगरो करब

(C) बाँहि चढ़ाएब (D) खुशामद करब

88. 'टिटही टेकल पहाड़' लोकोक्तिक तात्पर्य अछि

(A) असफलता सफलताक जननी थिक

(B) कुसंस्कार एकताक शत्रु

(C) असंभव काजकए यश लुटबाक आशा कएनिहार साधारण लोक

(D) एहिमे सँ कोनो नहि

89. 'दूनू हाथ लड्डू' लोकोक्तिक तात्पर्य भेल

(A) दू तरफा लाभ (B) लाभ देनिहारक घुड़कीओ सहब

(C) नगद कीनब नीक (D) निष्पक्ष

90. 'घर दही त बाहरो दही' लोकोक्तिक तात्पर्य होइछ

(A) पर्याप्त दही (B) दहीक आधिक्य

(C) घर मान त बाहरो मान (D) दहीमय

91. 'सकल समय नहि ॠतु वसन्त' लाकोक्तिक तात्पर्य भेल

(A) सोझ लोककैँ सभ दुखे दैछ (B) एक पंथ दू काज

(C) सभ दिन होए नहि एक समान (D) गुण सर्वत्र नहि भेटैछ

92. बच्चा लेल काजक वस्तु कहबैछ

(A) बालोपयोगी (B) बाल–गोपालक खेल

(C) बालक्रीड़ा (D) बालोचित

93. जकर किरण पसरि गेल हो, से कहबैछ

(A) विकृत (B) विकीर्ण

(C) विमुग्ध (D) विरूप

94. 'प्रशिक्षु' शब्दक अर्थ होइछ

(A) प्रशिक्षित (B) प्रशिक्षण पौनिहार

(C) प्रशिक्षण देनिहार (D) प्रशिक्षा

95. 'ननकिरबी' शब्दक पर्यायवाची अछि

(A) बेटा (B) बउआ

(C) बेटी (D) एहिमे सँ कोनो नहि

96. एक बहिनकेँ दोसर बहिनक बेटी थिक

(A) भगिनी (B) बहिनधी

(C) ननदि (D) भतिजी

97. जकरा चूसल जा सकय से कहबैछ

(A) विमुग्ध (B) चोष्य

(C) चर्व्य (D) लेह्य

98. 'आगि होएब'क तात्पर्य अछि

(A) क्रोध बढ़ाएब (B) क्रुद्ध होएब

(C) अशांत होएब (D) आगि लागब

99. 'से जीवन जे पर उपकारक भाव होइछ

(A) दृष्टिलज्जा सबसँ महत्त्वपूर्ण (B) परोपकारी जीवन सार्थक

(C) स्वभाव नहि बदलैछ (D) बिनु अनुभवक गप्प

100. प्रयोगमे अनबा योग्य वस्तु कहबैत अछि

(A) प्रायोगिक (B) प्रायश्चित

(C) प्रयोजनीय (D) प्रयुक्त

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

निम्नलिखितमे कोनो पाँच लघु उत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू : **5x2=10**

1. बेल कोन ऋतुमे पकैत अछि ?
2. नवीन ज्योतिषीकेँ अपनहुँ बहुत पश्चात्ताप भेलनि किएक ?
3. लेखक जमींदारक पोशाकक विषयमेँ की कहने छथि ?
4. 'नचारी मे कोन देवतासँ प्रार्थना कएल जाइछ ?
5. कोन अनुसंधान पर डॉ0 सी0 वी0 रमणकेँ नोबेल पुरस्कार भेटलनि ?
6. पाठ्य–पुस्तकक अनुसार कृषक लोकनिक प्रसन्नताक की कारण अछि ?
7. देशक दुर्दशाक कारण की बताओल गेल अछि ?
8. गोबर की विनती करैत अछि ?
9. 'बाढ़िक हाकरोस' कवितामे कोन–कोन नदीक नाम आयल अछि ?
10. आइओ किनकर कोमल वचन पवनमे गुंजित अछि ?

निम्नलिखितमे कोनो तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू **3x5=15**

11. 'राष्ट्रीय एकताक महत्त्व' निबन्धक आधार पर भारतीय संस्कृतिक उदार एवं समन्वयवादी दृष्टिकोणक उदाहरण अपन शब्दमे लिखू।
12. गंगानाथ झा जमीन्दारसँ व्यापार करबा लेल किएक कहलनि अछि ?
13. कथाकार बजरंग मीलक बेटाक तुलना ओवरलोडसँ किएक कयलनि अछि ?
14. जनकक श्रीसम्पन्नताक वर्णन कवि 'जानकी–परिणय'मे कोन रूपेँ कयलनि अछि ? वर्णन करू।
15. नव मंगल रचयबाक हेतु कवि कथीक आवाहन करैत छथि ?

16. मनुक्ख ककरासँ बढ़ि कऽ हिंसक अपराध करैत अछि ?

17. निम्नलिखितमे कोनो **एक** विषय पर निबन्ध लिखू ***1x8=8***

(क) कोनो पर्यटन स्थल

(ख) मलमास मेला

(ग) कम्प्यूटर शिक्षा

(घ) भारतीय संविधान

(ङ) पर्यावरण

18. निम्नलिखितमे कोनो **दूटाक** सप्रसंग व्याख्या करू : ***2x4=8***

(क) ''किछु नहि, दादी माँ कहैत छथि हुनर बाँचल छैने सभटा फेर भऽ जेतै।'' मुन्नी गिरथाइन जकाँ बाजलि। ताराकेँ हँसी लागि गेलनि। फेर मोन पड़लथिन अपन बूढ़ी मैयाँ जे सम्भवतः फेर–फेर लिखिया करबाक लेल ताराक अंगमे समायल छथिन। कतेक बाढ़ि आ जलप्लावन हुनरकेँ नहि बहा सकैत अछि। ठुट्ठा नीमक फुनगी पर सीमक लत्ती लहलहा रहल छै। तारा आविष्ट भऽ ताहि दिस तकैत अछि।

(ख) पण्डित पिताक गायक खुरहुसँ पैघ आ चाकर महा–ब्रम्हिणी शिखासँ खेलयबाक योग्यो नहि भेल छलीह कि ओ विष्णुलोकसँ पुराण बाचबाक निमन्त्रण पाबि चल गेलाह। तखन रहि गेलीह तिरूक अबला माय, तिरूक अग्रज झिंगुरनाथ झा, तिरू आ कोसिकीक बाढ़ि, मलेरियाक प्रकोप, पड़ोसियाक उपराग आ, की–की नहि!

(ग) ''बरसि सुरगण कुसुम परसन मुदित पुलकित अंग ओ।
देव–दुन्दुभी बाजु अम्बर होत मंगल रंग ओ।।

हर्षनाथ भन, मन दए हरि परसन भए रे।

करथु नृपति लक्ष्मीश्वर जन–धन–उपचय रे।। ललना ......''

घ. ''आँचल झाँपि भवन लय गेली

नयन बरसि जलधर तह भेली

आनन चुम्बि पयोधर धयल

सबहुँ सखी मिलि मंगल कयल।''

19. वार्षिक खेलकूद प्रतियोगितामे प्रथम स्थान प्राप्त करबाक प्रसन्नतामे पिताकेँ पत्र लिखि सूचित करियौन। ***1x5=15***

अथवा

परीक्षा फॉर्मक फीस भरबामे असमर्थताक कारणेँ प्रधानाध्यापककेँ आवेदन कए फीस माफ करबा लेल प्रार्थना करियौन।

20. संक्षेपण करू : ***1x4=4***

गुलथुल शरीरवाली आ सदिखन इयर रिंगकेँ झटका देबयवाली, ठोरक कोनसँ सिकरेट पीबयवाली आ अपन पतिकेँ त्यागि कऽ शहरक विभिन्न पुरूष मित्रसँ अपन रहस्यमय सम्बन्ध राखयवाली मिसेज खन्ना, रागिनीकेँ कहियो नहि सोहयलैक, एको क्षण लेल नहि। नहि जानि किएक, ओकरा देखिते मोन वितृष्णासँ भरि जाइत छैक। बाजलि .... बीचेमे ? के कहलक .... ?

अथवा

देशक अवस्था निर्भर रहैत अछि – विद्या, धन, धर्म ओ आचार पर ? विद्याक प्रसंग मिथिलाक 'अधोगति' भेल अछि से नहि देखि पड़ैत अछि। जनश्रुति वा कल्पना पर निर्भर नहि रहि हम केवल स्वकीय साक्षात् अनुभवक अनुसार विचार करब। मिथिलामे एहि

पचास वर्षक मध्य संस्कृत, फारसी, अंगरेजी आ हिन्दी एहि चारि भाषाक शिक्षाक प्रचार छल। संस्कृत पढ़निहार विद्यार्थी वा कृतविद्यक संख्या जे पचास वर्ष पूर्व छल ताहिसँ कएक गुण बेसी एखन अछि। पचास वर्ष पूर्व प्रगाढ़ पाण्डित्य देशमे जाहि संख्यामे छल से प्रायः एखन नहि देखना जाइछ।

XXX